

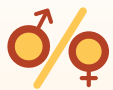
## National Conference on SKILLING IN NON-TRADITIONAL LIVELIHOODS FOR GIRLS -

*Betiyan Bane Kushal*



### Beti Bachao Beti Padhao

In 2015, the Government of India (GoI) launched the flagship scheme Beti Bachao, Beti Padhao (BBBP) to prevent gender-biased sex selective elimination, to ensure the survival and protection of the girl child and to ensure education and participation of the girl child



**Sex Ratio at Birth** Improved by 19 points from 918 in 2014-15 to 937 in 2020-21. (as per HMIS data of MoH&FW)

**Gross Enrolment Ratio (GER)** for women in higher education has increased from 19.8% in 2012-13 to 27.3% in 2019-20 as per the All-India Survey of Higher Education (AISHE) Report.



**Female Students Enrolled in Science** 51.7% of total students are female

**Gender Parity Index in Higher Education** increased from 1 in 2018-19 to 1.01 in 2019-20



In order to harness the momentum generated by BBBP over the last seven years and inspired by the vision of women-led development, the scope of the scheme has been expanded to promote skilling of the girls in non-traditional livelihoods and new age skills. Additional partnerships have been forged with the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship and the Ministry of Minority Affairs with a view to undertake a special drive and awareness programme for promoting skilling among girls.

### Female Labour Force Participation

Government of India has made sustained efforts and interventions to enable girls to meaningfully and equally participate in the workforce. This is reflected in the overall increase in women's labour force participation from 2019 to 2021. While increased number of women are making their presence felt in the gig economy, there is a consistent surge in women becoming entrepreneurs.



**Female Labour Force Participation Rate** increased from 22.8 in 2019-20 to 25.1 in 2020-21

National Family Health Survey 5 (NFHS 5) says 88.7% of women participate in major household decisions today as against 84% five years ago.



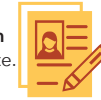
Women amount to nearly **46% of representatives in Panchayati Raj** Institutions

In India, the share of **women pilots** is around 15% which is significantly higher than the global average of 5%



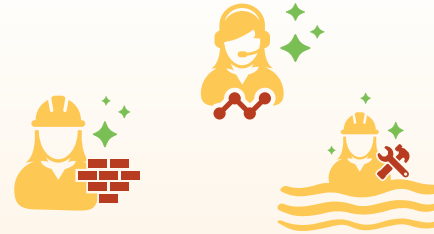
Under PMKVY, around 60 lakh women have been trained till date.

Industrial Training Institutes (ITIs) have witnessed nearly **100% jump in women registrations** from the year 2014 till date.



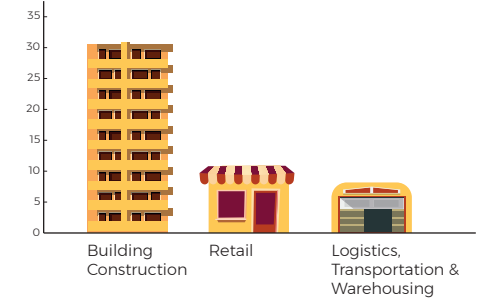
### Non-Traditional Livelihoods Skilling for Girls

Non-Traditional Livelihoods for girls are those livelihood practices that do not adhere to past practices or conform to traditional role plays. They help women to break the barriers that confine her within the gendered stereotypes of a typically masculinised and feminised role. NTL allow girls to participate in non-traditional sectors such as entrepreneurship, mobility, logistics, defence, aviation etc. Since the inception of the Skill India Mission, which seeks to provide market-relevant skills training to more than 40 crore young people, the participation of women and girls in non-conventional job roles has increased.



NTL Skilling is an effective way to empower girls with skill-based livelihood and life skills training. Such training leads to expectation shift regarding jobs based on gendered roles, thereby increasing the livelihood choices available to girls. It is an effective way to empower girls to shift the gendered division of work that often restricts girls to sectors and spaces which are low-skilled and paid. NTL Skilling will also ensure human resource requirements in sectors such as building construction, retail, and electronics & IT Hardware are met by girls. In long term, the mobilisation and engagement of girls in NTLs will be catalytic in behavioural mind-set change of the society towards recognising and valuing women as equal partners in nation building.

Incremental HR Requirement (in millions)



### Promotion of NTL in girls

The Government of India in convergence with communities and the market plays a pivotal role towards skilling and creating a conducive environment for girls to pursue NTL.



**Community Outreach:** For the creation of successful NTL opportunities for girls, communities must allow and support the uptake of such roles by them. Communities also stand to benefit economically and socially from the girl's contribution in such sectors. Hence, the Government raises awareness through community mobilisation to address the challenges faced by the girls to pursue NTL and paid employment outside their homes.



**Market engagement:** It is integral that support is provided to girls to access the relevant market and technology to engage in NTL. The Government, through engagement with market leaders, must ensure that necessary infrastructure along with proper working conditions, such as quality care services and gender-sensitive workspaces, are provided in places where girls are employed.

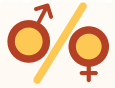
## लड़कियों के लिए आजीविका के आधुनिक कौशल पर राष्ट्रीय सम्मेलन

### बेटियां बनें कुशल



### बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

लिंग-पूर्वाग्रही लिंग चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम करने, बालिका का अस्तित्व और संरक्षण सुनिश्चित करने और बालिका की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 2015 में, भारत सरकार ने प्रमुख स्कीम बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) शुरू की।



**जनम पर लिंग अनुपात** में 2014-15 में 918 से 2020-21 में 937 तक 19 अंकों का सुधार हुआ (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एचएमआईएस डेटा के अनुसार)

अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) रिपोर्ट के अनुसार, उच्चतर शिक्षा में महिलाओं का **सफल नामांकन अनुपात (जीईआर)** 2012-13 में 19.8% से बढ़कर 2019-20 में 27.3% हो गया है।



**विज्ञान में छात्राओं का नामांकन** कुल छात्रों में 51.7% छात्राएं हैं

**उच्चतर शिक्षा में लैंगिक समानता सूचकांक** 2018-19 में 1 से बढ़कर 2019-20 में 1.01 हुआ



पिछले सात वर्षों में बीबीबीपी द्वारा सृजित प्रगति का लाभ उठाने के उद्देश्य से और महिला-प्रेरित विकास के विजन से प्रेरणा लेते हुए, लड़कियों को आजीविका के आधुनिक और नए युग के कौशल में कुशलता प्रदान करने के लिए स्कीम के दायरे का विस्तार किया गया है। लड़कियों में कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के साथ अतिरिक्त भागीदारी की गई है।

### महिला श्रम बल भागीदारी

भारत सरकार ने लड़कियों को सार्थक रूप से और समान रूप से कार्यबल में भागीदारी करने में सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रयास और पहलों की हैं। वर्ष 2019 से 2021 तक महिलाओं की श्रम शक्ति की भागीदारी में समग्र वृद्धि से ऐसा परिलक्षित होता है। जहां महिलाएं अधिक संख्या में गिग अर्थव्यवस्था में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, वहीं महिलाओं के उद्यमी बनने में लगातार वृद्धि हो रही है।



**महिला श्रम बल भागीदारी दर** 2019-20 में 22.8 से बढ़कर 2020-21 में 25.1 हुई

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (एनएफएचएस 5) के अनुसार पांच वर्ष पहले 84% की तुलना में 88.7% **महिलाएं प्रमुख घरेलू निर्णयों में भागीदारी करती हैं**



**पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधियों** में लगभग 46% महिलाएं हैं

भारत में **महिला पायलटों** की भागीदारी लगभग 15% है जो 5% के वैश्विक औसत से काफी अधिक है



प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत, अब तक लगभग 60 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में वर्ष 2014 से अब तक **महिला पंजीकरणों** में लगभग 100% वृद्धि दिखाई दी है



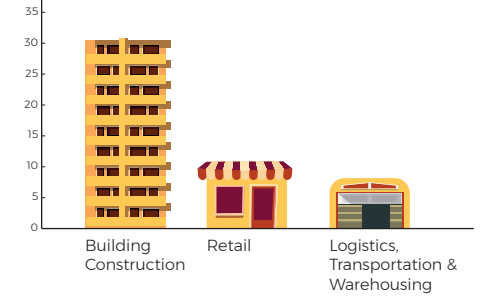
### लड़कियों के लिए आजीविका के आधुनिक कौशल

**लड़कियों के लिए आधुनिक आजीविका** वे आजीविका प्रथाएं हैं जो पिछली प्रथाओं का पालन नहीं करती हैं या पारंपरिक भूमिका निभाने के अनुरूप नहीं हैं। वे महिलाओं को उन्हें आम तौर पर पुरुषवादी और नारीवादी भूमिका की लैंगिक रुढ़ियों के भीतर सीमित करने वाली बाधाओं को तोड़ने में मदद करती हैं। एनटीएल लड़कियों को उद्यमिता, गतिशीलता, लॉजिस्टिक्स, रक्षा, विमानन आदि जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भाग लेना सुगम बनाता है। स्किल इंडिया मिशन जिसका उद्देश्य 40 करोड़ से अधिक युवाओं को बाजार-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, की शुरुआत के बाद से आधुनिक रोजगार में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी में वृद्धि हुई है।



एनटीएल स्किलिंग लड़कियों को कौशल आधारित आजीविका और जीवन कौशल प्रशिक्षण से सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। ऐसे प्रशिक्षण से लिंग आधारित भूमिकाओं के आधार पर नौकरियों के संबंध में अपेक्षा में बदलाव आता है, जिससे लड़कियों के लिए उपलब्ध आजीविका विकल्प बढ़ते हैं। यह लड़कियों को अक्सर लड़कियों को कम कुशलता और वेतन वाले क्षेत्रों और स्थानों तक सीमित करने वाले काम के लैंगिक विभाजन को अपनाने के लिए सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। एनटीएल स्किलिंग लड़कियों द्वारा भवन निर्माण, रिटेल, और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधन जरूरतों की पूर्ति करना भी सुनिश्चित करेगा। आगे चलकर, एनटीएल में लड़कियों का जुटाव और जुड़ाव राष्ट्र निर्माण में महिलाओं को समान भागीदार के रूप में मान्यता देने और उनका मूल्यांकन करने की दिशा में समाज की व्यावहारिक मानसिकता में बदलाव का उत्प्रेरक होगा।

### Incremental HR Requirement (in millions)



### लड़कियों में एनटीएल को बढ़ावा देना

भारत सरकार लड़कियों के लिए एनटीएल में अग्रसर होने के लिए समुदायों और बाजार के साथ अभिसरण में एक अनुकूल वातावरण बनाने और कौशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



**सामुदायिक पहुंच:** लड़कियों के लिए सफल एनटीएल अवसरों के सृजन के लिए, समुदायों को उनके द्वारा ऐसी भूमिका निभाने की अनुमति देनी चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए। ऐसे क्षेत्रों में लड़कियों के योगदान से समुदाय आर्थिक और सामाजिक रूप से लाभान्वित होते हैं। इसलिए, सरकार एनटीएल को आगे बढ़ाने और अपने घरों के बाहर वैतनिक रोजगार पाने में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामुदायिक जुटाव के माध्यम से जागरूकता बढ़ाती है।



**बाजार से तालमेल:** यह संपूर्ण तथ्य है कि लड़कियों को एनटीएल से जुड़ने के लिए संदर्भित बाजार और प्रौद्योगिकी तक पहुंचने के लिए सहयोग प्रदान किया जाता है। बाजार निर्णायकों के साथ तालमेल के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि उन स्थानों पर आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ ही गुणवत्तापूर्ण देखभाल सेवाएं और लिंग-संवेदी कार्यस्थल जैसी उचित कामकाजी परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं जहां लड़कियों को रोजगार दिया जाता है।